Diploma in National Languages - Sindhi -2021

Annual wise distribution of Courses

Course Code	Title of Paper	Marks	
		External	Total
01.	ध्वनियाँ और व्याकरण	100	100
02.	सिंधी भाषा और अनुवाद	100	100
	Total	**200**	**200**

1. पाठ्यक्रम की अवधिः 1 वर्ष।
2. कुल सीटों की संख्याः 30।
3. प्रवेश विश्वविद्यालय के नियमानुसार।
4. पी.जी. डिप्लोमा इन सिंधी भाषा कुल 02 प्रश्न पत्र हैं।
5. प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंक का होगा।

Diploma in National Languages - Sindhi -2021

प्रथम प्रश्न–पत्र
ध्वनियाँ और व्याकरण

100 अंक

1.	सिंधी के स्वर, व्यंजन और संयुक्त स्वर	10
2.	वाग्भाग (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, अव्यय)	10
3.	व्याकरणिक संरचना (लिंग, वचन, पुरूष, कारक, काल, पक्ष, वाच्य, वृत्ति)	10
4.	शब्द निर्माण (सामान्य, मिश्र, सामासिक)	10
5.	शब्दावली (पर्यायवाची, विलोमार्थी, अनेकार्थी, समनाम, मुहावरे, कहावतें)	10
6.	वाक्य (रचना और अर्थ के आधार पर)	10
7.	अपठित गद्यांश	10
8.	पत्र लेखन और संक्षेपण	10
9.	पल्लवन	10
10.	निबंध–लेखन	10
	कुल अंक – 100	

निर्धारित पुस्तकें–

1. एम.के. जेटली : सिंधी भाषा व्याकरण एवं प्रयोग, सिंधी एकेडेमी दिल्ली
2. प्रो. हरदवानी : अछो सिंधी सिंखून
3. डॉ. प्रताप पिंजानी : Sindhi Reader-I, राष्ट्रीय सिंधी बोली विकास परिषद्, नई दिल्ली
4. डॉ. प्रताप पिंजानी : Sindhi Reader-II राष्ट्रीय सिंधी बोली विकास परिषद्, नई दिल्ली :

द्वितीय प्रश्न–पत्र
सिंधी भाषा और अनुवाद

100 अंक

1.	सिंधी भाषा का उद्‌भव और विकास एवं उनकी बोलियाँ	20
2.	सिंधी भाषा की संस्कृति एवं व्यवहार और सिंधी भाषा का औपचारिक और अनौपचारिक प्रयोगः घर, परिवार, समाज, बाजार, बैंक, रेल, एवं अन्य क्षेत्रों में	20
3.	सिंधी भाषा के साहित्य का परिचय : कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक निबंध एवं अन्य विधाएँ	20
4.	अनुवाद, परिभाषा क्षेत्र और सिद्‌धांत एवं प्रकार	20
5.	सिंधी से हिंदी/अँगरेज़ी/छत्तीसगढ़ी में अनुवाद	10
6.	हिंदी/ अँगरेज़ी/छत्तीसगढ़ी से सिंधी में अनुवाद	10
	कुल अंक –	**100**

निर्धारित पुस्तकें–

1. डॉ. एम.के. जेटली : सिंधी साहित्य जो इतिहास
2. के.पी. लखवानीः सिंधी बोली एवं साहित्य जो इतिहास
3. आनंद खेमानीः अनुवाद कला
4. प्रो. रविन्द्र श्रीवास्तव और प्रो. के.के. गोस्वामी : अनुवाद सिद्‌धांत और प्रक्रिया
5. डॉ. प्रताप पिंजानी : Sindhi Reader-I, राष्ट्रीय सिंधी बोली विकास परिषद्, नई दिल्ली
6. डॉ. प्रताप पिंजानी : Sindhi Reader-II राष्ट्रीय सिंधी बोली विकास परिषद्, नई दिल्ली